यूपी के एमएसएमई निर्यात में तीन साल में 38% वृद्धि

व्यापार

लखनऊ | वरिष्ठ संवाददाता

आयोजन

- यूपी के एमएसएमई को बढ़ावा देने को सीआईआई-अमेज़न पार्टनर
- ग्राहकों को उत्पाद बेचने में मदद करने के लिए वर्चुअल सत्र

उत्तर प्रदेश में देश के लगभग 15 प्रतिशत एमएसएमई हैं। राज्य की एक हजार से अधिक सूक्ष्म इकाइयां अब विभिन्न ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर शामिल हैं। नतीजतन राज्य से एमएसएमई निर्यात में पिछले तीन वर्षों में 38 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यह बात अतिरिक्त मुख्य सचिव एमएसएमई व निर्यात प्रोत्साहन नवनीत सहगल ने कही। वह मंगलवार को भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) व अमेज़न ग्लोबल सेलिंग द्वारा आयोजित ई-कॉमर्स के माध्यम से यूपी के एमएसएमई अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और निर्यात को बढ़ावा देने पर एक वर्चुअल कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

वहीं अमेजन इंडिया के निदेशक-ग्लोबल ट्रेड अभिजीत कामरा ने बताया कि एमएसएमई अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। वे देश के सकल घरेलू उत्पाद का एक तिहाई और इसके निर्यात का आधा योगदान करते हैं। समग्र निर्यात में एमएसएमई की हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए हमें पारंपरिक के अलावा निर्यात के नए चैनलों का लाभ उठाने की जरूरत है। यह वह जगह है जहां ई-कॉमर्स लाखों एमएसएमई के लिए सीमा पार व्यापार को सक्षम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

उन्होंने बताया कि आज 70 हजार से अधिक भारतीय निर्यातक हैं, जो ई-कॉमर्स का उपयोग करके दुनिया भर के उपभोक्ताओं को बेच रहे हैं और कुल मिलाकर तीन अरब डॉलर का निर्यात पार कर चुके हैं। खिलौने, आयुर्वेद, परिधान, चाय, चमड़ा, आभूषण आदि श्रेणियों में कार्यक्रम में हजारों भारतीय एमएसएमई और उद्यमी पिछले कुछ वर्षों में सफल वैश्विक ब्रांड के रूप में उभरे हैं।